रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1090]	नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 9, 2003/अग्रहायण 18, 1925
No. 1090]	NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 9, 2003/AGRAHAYANA 18, 1925

संस्कृति विभाग

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 2003

का.आ. 1398(अ).— केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि इसके साथ उपाबद्ध स्थल मानचित्र और अनुसूची में विनिर्दिष्ट निज हाजो स्थित प्राचीन स्मारक,प्राचीन अवशेष जैसेकि श्री श्री हयाग्रीव माधव मंदिर राष्ट्रीय महत्व का है;

अब, इसलिए, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958(1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने इरादे का इसके द्वारा नोटिस देती है ।

उक्त प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के लिए कोई आपत्ति राजकीय राजपत्र में इस अधिसूचना को जारी किए जाने की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन स्मारक में रुचि लेने वाले किसी व्यक्ति द्वारा की जा सकती है जिस पर महानिदेशक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली 110011 द्वारा विचार किया जाएगा ।

स्थल मानचित्र

हयग्रीव माधव मंदिर हाजो, जिला कामरूप, असम

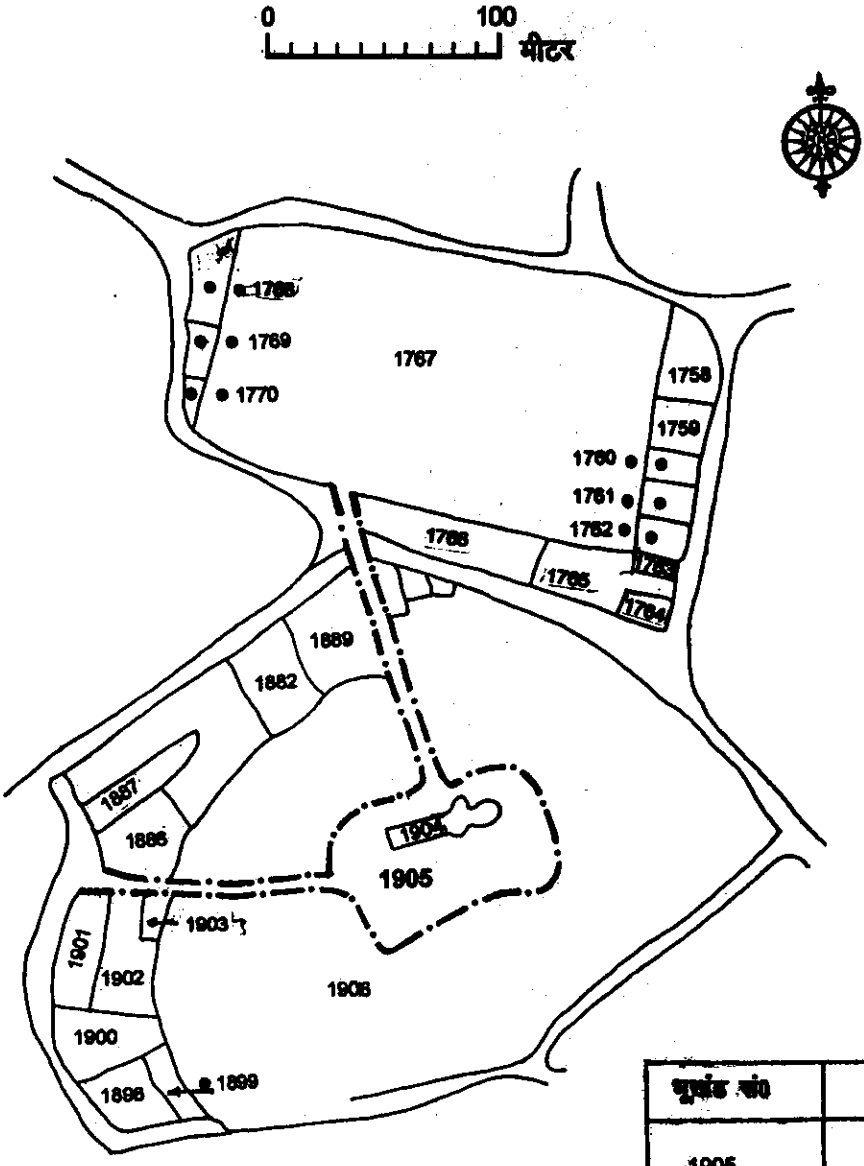

भूखंड सं0	एकड़
1905	2.04 एकड़
1904	0.12 एकड़
	2.16 एकड़

संरक्षण के लिए प्रस्तावित क्षेत्र : ——·——·——

अनुसूची

राज्य	जिला	स्थान	स्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन शामिल की जाने वाली राजस्व भूखंड संख्या	क्षेत्रफल	सीमाएं	स्वामित्व	अभ्युक्तियां
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
असम	कामरूप	निज हाजो पोस्ट हाजो राजस्व मंडल हाजो	श्री श्री हयग्रीव माधव मंदिर के नाम से प्रसिद्ध निज हाजो स्थित प्राचीन अवशेष	सर्वेक्षण भूखंड सं0 1904 तथा 1905	0.12 एकड़ =4.82 आर 2.04 एकड़ =82.69 आर	सर्वेक्षण भूखंड सं0 1904 एवं 1905 जो सर्वेक्षण भूखंड सं0 1906,1898,1900,1901,1902,1886,1887,1882 एवं 1889 से घिरी हुई है	डोलाई श्री श्री हयग्रीव माधव देवालय (मंदिर) के सर्वेक्षण भूखंड सं0 1904,1905 और शेष प्राइवेट	इस मंदिर का प्रबंधन श्री श्री हयग्रीव माधव देवालय नाम तथा शैली की प्रबंधन समिति द्वारा किया जा रहा है जिसके प्रधान डोलोई (अध्यक्ष) श्री गोलोक चंद शर्मा हैं ।

[फा. सं. 2-4/98-एम]

गौरी चटर्जी, महानिदेशक तथा अपर सचिव

DEPARTMENT OF CULTURE

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th December, 2003

S.O. 1398(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument, ancient remains at Niz Hajo known as Sri Sri Hayagriva Madhava Temple specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958(24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance;

Any objection to the declaration of the said ancient monument to be of national importance, may be made within a period of two months from the date of issue of this notification, by any person interested in the said ancient monument which will be taken into consideration by the Director General, Archaeological Survey of India, New Delhi-110011.

SITE PLAN
OF
HAYAGRIVA MADHAVA TEMPLE AT HAZO
DISTRICT KAMRUP, ASSAM

0 100 METRES

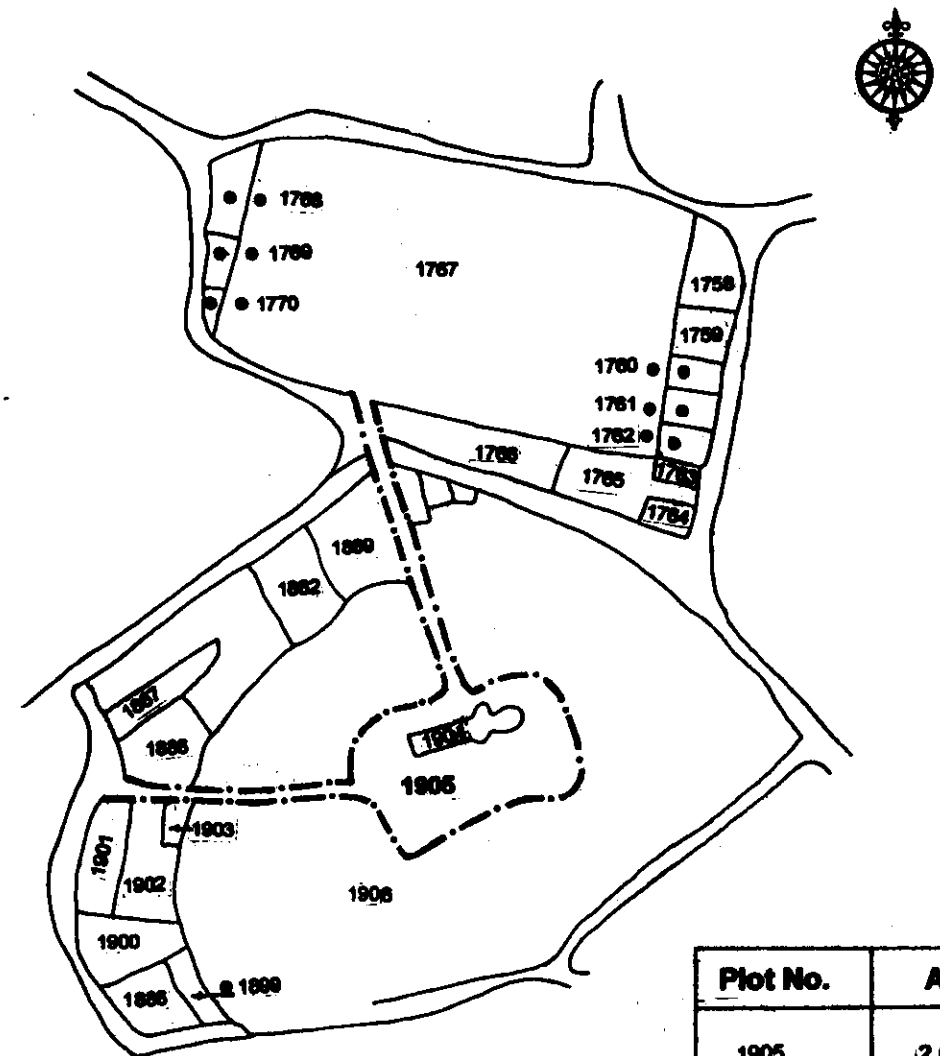

Plot No.	Acre
1905	2.04 Acre
1904	0.12 Acre
	2.16 Acre

AREA PROPOSED FOR PROTECTION : ——— . ——— . ———

SCHEDULE

STATE	DISTRICT	LOCALITY	NAME OF	REVENUE PLOT NO. INCLUDED UNDER PROTECTION	AREAS	BOUNDARIES	OWNERSHIP	REMARKS
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ASSAM	KAMRUP	NIZ HAJO P.O- HAJO REV. CIRCLE HAJO	ANCIENT REMAINS AT NIZ HAJO KNOWN AS SRI SRI HAYAGRIV MADHAB TEMPLE	SURVEY PLOT NO. 1904 & 1905	0.12 ACRE =(4.82 R) 2.04 ACRE =(82.69 R)	Survey Plot No. 1904 and 1905 bounded by survey plot No. 1906, 1898, 1900, 1901, 1902, 1886, 1887, 1882 & 1889	Survey Plot No. 1904,1905 belongs to Doloi, Sri sri Hayagiv Madhab Devalaya (Temple) and rest private.	The temple is being managed by a Management Co-mmittee by name and style Sri Sri Hayagiv Madhab Devalaya, headed by the Doloi (President) Sri Golok Ch. Sarma.

[F. No. 2-4/98-M]

GAURI CHATTERJI, Director General & Addl. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.